Baba’s Praise

11/8/2015

- बाप को सब पुकारते हैं क्योंकि उनसे **शान्ति और सुख का वर्सा मिलता** है आत्माओं को।
- नये को पहले-पहले एक हद के, दूसरा **बेहद के बाप** का परिचय देना है। **बेहद के बाप से स्वर्ग (बहिश्त) नसीब होता** है।
- हमको सदैव खुशी क्यों नहीं होनी चाहिए। जबकि **ऊंच ते ऊंच बाप** के बने हैं। ड्रामा अनुसार तुमने भक्ति बहुत की है। **भक्तों को फल देने के लिए ही बाप आया** है।
- तुम जानते हो बाप हमको **राजयोग सिखा रहे** हैं। हम पुरूषार्थ कर रहे हैं। इसमें संशय थोड़ेही हो सकता है। हम बी.के. राजयोग सीख रहे हैं। झूठ थोड़ेही बोलेंगे।
- यह आन्तरिक खुशी रहनी चाहिए कि हमको **बागवान-पतित पावन** का हाथ मिला है

- बाप आये ही हैं **नई दुनिया स्थापन करने**। तुम भी कर रहे हो।
- **बाप सारे विश्व का दु:ख दूर करते** हैं। इस समय तो जानवर आदि भी कितना दु:खी हैं। यह है ही दु:खधाम।
- यह है पुरूषोत्तम संगमयुग। **बाबा हमको पुरूषोत्तम बना रहे** हैं। यह याद रहे तो भी खुशी रहे। **भगवान पढ़ाते हैं, विश्व का मालिक बनाते** हैं। यह भला याद करो।
- भगवान के बच्चे फिर दु:ख में क्यों हैं, **भगवान दु:ख हर्ता सुख कर्ता** है तो जरूर दु:ख में आते हैं तब तो गाते हैं।